इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूजलेटर   प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ   विजन

खंड : 10   अंक : 10   मई, 2019   पृष्ठों की संख्या 17

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।

मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में
मुख्य घटनाएँ --2
बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ--3
विनियामकों के कथन ---5
बीमा ---6
नयी नियुक्तियाँ---6
उत्पाद एवं गठजोड़ --7
विदेशी मुद्रा --7
शब्दावली --8
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ------------------------------------8
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां -------------------------------------9
संस्थान समाचार ---9
नयी पहलकदमी --15
बाजार की खबरें ---15

"इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अ रुपया थवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।"

मुख्य घटनाएँ

पहले द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य 2019-20 के मुख्य मुद्दे

- पुनर्खरीद (repo) दर 25 आधार अंक घटाकर 6% की गई।
- प्रति पुनर्खरीद (reverse repo) दर 5.75 पर कायम।
- आवास वित्त प्रतिभूतिकरण बाजार विकसित करने हेतु समिति का गठन करना।
- ऋण की दरों को विदेशी बेंचमार्क से जोड़ने पर और अधिक परामर्श करना।
- प्रति-चक्रीय पूंजी भंडार को न लागू करना।

मुद्रा-तिजोरियाँ स्थापित करने वाले बैंकों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देश

भारतीय रिजर्व बैंक ने नयी मुद्रा-तिजोरियाँ (currency chests) स्थापित करने वाले बैंकों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। तदनुसार, कोष कक्ष (strong room) 1,500 वर्ग फुट के न्यूनतम क्षेत्र में स्थित होना चाहिए और वह प्रति दिन बैंक नोटों के 6.6 लाख नगों की संसाधन क्षमता वाला होना चाहिए। पहाड़ी/अनभिगम्य स्थानों पर नयी तिजोरियों के लिए आवश्यक न्यूनतम क्षेत्रफल प्रति दिन बैंक नोटों के 2.1 लाख नगों की संसाधन क्षमता के साथ 600 वर्ग फुट होगा। इन मुद्रा तिजोरियों की तिजोरी शेष सीमा (CBL) विद्यमान वास्तविकताओं और भारतीय रिजर्व बैंक के विवेक पर यथोचित निर्बंधनों की शर्त पर 1,000 करोड़ रुपए होनी चाहिए।

आवास वित्त प्रतिभूतिकरण बाजार के विकास पर समिति गठित होगी

विकास एवं विनियामक नीतियों के संबंध में अपने वक्तव्य के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक भारत में आवास वित्त प्रतिभूतिकरण बाजार की स्थिति का आकलन करने हेतु एक समिति का गठन कर रहा है। इसका उद्देश्य ऋण एवं चलनिधि जोखिमों के बेहतर प्रबंधन में समर्थ बनाने के लिए

आस्ति प्रतिभूतिकरण प्रथाओं में मानकीकरण लाना है। उक्त समिति सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं तथा वैश्विक वित्तीय संकट से सीखे गए सबक का अध्ययन करेगी।

ग्राहक परिवादों के समय पर निवारण हेतु ढाँचा

भारतीय रिजर्व बैंक समस्त प्राधिकृत भुगतान प्रणालियों में ग्राहक शिकायतों और प्रतिकर ढांचों का निवारण करने के लिए मानकीकृत समय-सीमाओं के लिए मानदंड जारी कर रहा है। इस कार्य में लगने वाले कार्रवाई समय (TAT) हेतु नया ढांचा जून, 2019 के अंत तक लागू कर दिया जाएगा। उक्त उपाय की जरूरत भारतीय रिजर्व बैंक को इस अनुभूति के बाद पड़ी कि ग्राहक शिकायतों का निवारण करने में लगने वाला कार्रवाई समय विभिन्न भुगतान प्रणालियों में अलग-अलग है।

गैर- बैंकिंग वित्तीय कम्पनियाँ भारतीय रिजर्व बैंक की लोकपाल योजना के अधीन

भारतीय रिजर्व बैंक ने ऋणों और अन्य मामलों के संबंध में सेवाओं में कमी के विरुद्ध शिकायतों के शीघ्र निवारण हेतु लोकपाल योजना की व्याप्ति को जमा न स्वीकार करने वाली गैर- बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (ND-NBFCs) तक बढ़ा दिया है। उक्त योजना 100 करोड़ रुपए से अधिक के आस्ति आकार वाली जमा न स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को उपलब्ध करा दी जाएगी।

बैंकिंग से संबन्धित नीतियां

कमजोर बैंकों के लिए प्रकटन मानदंड शिथिल किए गए

भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रावधानीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण अपसारिताओं/विचलनों पर बैंकों के लिए निर्धारित प्रकटन मानदंडों को परिवर्तित कर दिया है। तदनुसार, अब बैंकों को प्रावधानीकरण और आकस्मिकताओं के पूर्व बैंक के लाभ से 10% से अधिक होने पर अपने प्रावधानों को प्रकटित करना होगा। सकाल अनर्जक आस्तियों से संबन्धित अपसारिता/विचलन सम्बन्धी मानदंड भारतीय रिजर्व बैंक के लेखा-परीक्षकों द्वारा यथा-अभिज्ञात और बैंक द्वारा यथा-प्रदर्शित महत्वपूर्ण अपसारिता/विचलन के 15% पर कायम रखे गए हैं।

ऋणदाताओं को चलनिधि बढ़ाने के लिए चलनिधि व्याप्ति अनुपात हेतु संशोधित मानदंड

भारतीय रिजर्व बैंक ने चलनिधि व्याप्ति अनुपात (LCR) मानदंडों को संशोधित करके ऋणदाताओं को अनिवार्य सांविधिक चलनिधि अनुपात (SLR) आवश्यकता के भीतर 2% की एक अतिरिक्त चलनिधि सुविधा प्रदान की है। इस उपाय से बैंकों की चलनिधि आवश्यकता चलनिधि व्याप्ति अनुपात के साथ सुसंगत होगी; बैंकों की नकदी स्थिति सुधरेगी; बैंकों द्वारा उधार दिये जाने हेतु अतिरिक्त चलनिधि जारी करने में सहायता प्राप्त होगी तथा आशा के अनुरूप विनियमित संस्थाओं के व्यापारेतर चालू खाते के लेनदेनों के लिए विदेशी मुद्रा बेचने के लिए अंतिम क्षण के प्रयासों को बढ़ाकर विदेशी मुद्रा लेनदेन अपेक्षाकृत आसान हो जाएंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने कानूनी संस्था की अभिनिर्धारण की अंतिम अवधि बढ़ाई

भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर-व्युत्पन्नी बाजारों में सहभागिता के लिए कानूनी संस्था अभिनिर्धारण (LEI) कूटों की अंतिम अवधि बढ़ा दी है। अब, 200 करोड़ रुपए और 1000 करोड़ रुपए के बीच की निवल मालियत वाली संस्थाओं तथा उसके साथ ही 1000 करोड़ रुपए से अधिक की निवल मालियत वाली संस्थाओं के लिए कूट प्राप्त करने की अंतिम अवधि इस वर्ष की 30 अप्रैल की पूर्ववर्ती अंतिम अवधि के स्थान पर 31 दिसंबर, 2019 है। 200 करोड़ रुपए से कम की निवल मालियत वाली संस्थाओं के लिए यह अंतिम अवधि बढ़ाकर 31 मार्च, 2020 कर दी गई है।

बड़े एक्सपोजर ढाँचे के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की अधिसूचना

जहां तक बड़े एक्सपोजर ढाँचे (LEF) का संबंध है भारतीय रिजर्व बैंक ने यह अधिदिष्ट कर दिया है कि केंद्रेतर स्तर से स्वीकृत व्युत्पन्नी एक्सपोजर अप्रैल, 2020 तक एक्सपोजर सीमाओं के कार्य-क्षेत्र से बाहर होंगे। हालांकि, बैंकों के लिए यह आवश्यक है कि वे उन एक्सपोजरों का परिकलन अलग से करें तथा उन्हें बैंकिंग विनियमन विभाग को तिमाही आधार पर रिपोर्ट करें।

विनियामकों के कथन

फिंटेक अंतराल की घटनाओं से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा

देश में वित्तीय समावेशन को गहनता प्रदान करने के प्रति भारतीय रिजर्व बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुये भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकान्त दास ने कहा है कि ”हाल ही में फिंटेक के प्रादुर्भाव अथवा वित्त क्षेत्र में हुये नवोन्मेष वैश्विक वित्तीय क्षेत्र को आकार देने वाली एक सुदृढ़ रूपांतरकारी शक्ति है। तथापि, जहां इन न्वोन्मेषो ने वित्तीय पहुँच को किफ़ायती रीति से विस्तीर्ण करने में सहायता की है, वहीं विनियामक एवं पर्यवेक्षी चुनौतियों का सामना करना बाकी है। भारतीय रिजर्व बैंक अपवंचित जनसंख्या के लिए वित्तीय पहुँच को विस्तीर्ण और आसान बनाने

में फिंटेक से लाभ उठाने हेतु अपने विनियामक एवं पर्यवेक्षी ढाँचे को निरंतर रूप से संरेखित कर रहा है। हाल के वर्षों में नीतिगत प्रयासों को एक अधुनातन राष्ट्रीय भुगतान अवसंरचना एवं प्रौद्योगिकी मंच बनाने की ओर संकेंद्रित रखा गया है।"

पूंजीगत लेखे के उदारीकरण पर भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर के विचार

भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर श्री बी॰ पी॰ कानूनगो ने कहा है कि जहां रुपए को चालू खाते में मुक्त रूप से परिवर्तित किया जा सकता है, वहीं पूंजीगत खाते के मामले में शीर्ष बैंक सीमाएं अधिरोपित करता है, इसप्रकार वह रुपए का विदेशों में उपयोग किए जाने हेतु उसे निकाले जाने पर रोक लगाता है। श्री कानूनगो ने आगे यह भी कहा कि स्टार्ट-अप कंपनियाँ विदेशी अधिकार क्षेत्र में पूंजी जुटाने की सहूलियत के कारण नियंत्रक कम्पनियों के ढांचे का उपयोग भारत में निवेश करने हेतु कर रही हैं। पूंजीगत

लेखे के उदारीकरण के लिए आवश्यक तीन पूर्वापेक्षाएं होंगी - मूल्य-स्थिरता, राजकोषीय स्थिरता और वित्तीय संस्थाओं एवं बाज़ारों की स्थिरता।

बीमा

बीमाकर्ता 1 जुलाई से दावा अन्वेषक तंत्र उपलब्ध कराएंगे

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने यह अधिदिष्ट कर दिया है कि सभी बीमाकर्ताओं को 1 जुलाई से ग्राहकों को पालिसियों के संबंध में आवश्यक रूप से एक अन्वेषण तंत्र सहित सुस्पष्ट अद्यतन सूचना उपलब्ध करानी होगी। उसने बीमाकर्ताओं को यह भी निर्देश दिया है कि वे पालिसी की सर्विसिंग के एक भाग के रूप में बिक्री केन्द्र पर तथा निरंतर आधार पर भी पालिसी धारकों के मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी प्राप्त कर लें।

नई नियुक्तियाँ

नाम	पदनाम/संगठन
श्री कर्णम शेखर	1 जुलाई से इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में नियुक्त

श्री आर॰ ए॰ शंकर नरायणन	केनरा बैंक के प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में नियुक्त
श्री राजेश कुमार यदुवंशी	पंजाब नैशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त
श्री मुरली रामस्वामी	1 अक्तूबर, 2019 से बैंक आफ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिस संगठन के साथ गठजोड़ हुआ	उद्देश्य
बंबई शेयर बाजार	एचडीएफसी बैंक	स्टार्ट अपों के लिए शेयर बाजार के विशिष्ट प्लेटफार्म के बारे में जागरूकता फैलाना।
भारतीय रिजर्व बैंक	क्रेडिट विद्या	ऋणदाताओं के ग्राहक अनुभव बढ़ाना।
एअरटेल भुगतान बैंक	भारती ए एक्स ए	उसके ग्राहकों को दुपहिया बीमा उपलब्ध करना।

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	26 अप्रैल, 2019 के दिन बिलियन रुपए	26 अप्रैल, 2019 के दिन मिलियन अमरीकी डालर
1. कुल प्रारक्षित निधियाँ	29,333.9	4,18,515.3
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,385.9	3,90,421.4
1.2 सोना	1,611.9	23,303.2
1.3 विशेष आहरण अधिकार	101.7	1,449.7
1.4 अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	234.4	3,341.0

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक

मई, 2019 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की आधार दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	2.52100	2.39100	2.33400	2.32100	2.33800

जीबीपी	0.90260	1.0582	1.1185	1.1661	1.2000
यूरो	-0.20000	-0.184	-0.124	0.040	**0.049**
जापानी येन	0.01000	-0.006	-0.019	-0.019	-0.006
कनाडाई डालर	2.21000	1.923	1.913	1.922	1.956
आस्ट्रेलियाई डालर	1.44500	1.390	1.400	1.590	1.670
स्विस फ्रैंक	-0.63500	-0.633	-0.561	-0.476	-0.381
डैनिश क्रोन	-0.16300	-0.1043	0.0286	0.0591	0.1515
न्यूज़ीलैंड डालर	1.72500	1.687	1.704	1.756	1.832
स्वीडिश क्रोन	-0.01400	0.055	0.150	0.248	0.353
सिंगापुर डालर	1.94500	1.930	1.938	**1.958**	1.993
हांगकांग डालर	2.08000	2.080	2.100	2.115	2.155
म्यामार	3.56000	3.550	3.570	3.610	3.640

स्रोत : www.fedai.org.in

शब्दावली

कानूनी संस्था अभिनिर्धारक (LEI) कूट

कानूनी संस्था अभिनिर्धारक (LEI) कूट को वैश्विक वित्तीय संकट के उपरान्त बेहतर जोखिम प्रबंधन हेतु वित्तीय डाटा प्रणालियों की गुणवत्ता एवं यथार्थता बढ़ाने का प्रमुख उपाय माना गया है। कानूनी संस्था अभिनिर्धारक उन संस्थाओं को सौंपा गया 20 संप्रतीकों वाला एक विशिष्ट पहचान कूट होता है जो किसी वित्तीय लेनदेन के पक्षकार होते हैं। कानूनी संस्था अभिनिर्धारण प्रणाली को रुपया ब्याज दर व्युत्पन्नियों, विदेशी मुद्रा व्युत्पन्नियों, ऋण व्युत्पन्नियों के लिए और भारत में बैंकों के बड़े कारपोरेट उधारकर्ताओं के लिए काउंटर पर किए जाने वाले लेनदेनों के बाज़ारों में (व्यक्तियों को छोडकर) सहभागियों हेतु चरणबद्ध रीति से कार्यान्वित किया गया है।

वित्तीय क्षेत्र की मूलभूत जानकारी

आरक्षित पूंजी निधियाँ (capital reserves)

आरक्षित पूंजी निधि किसी कंपनी के लाभों का वह हिस्सा होती है जिसका शेयर धारकों को लाभांश के रूप में भुगतान नहीं किया गया है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

मई, 2019 के प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम	**तिथियाँ**	**स्थल**
प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	28 मई से 30 मई, 2019 तक	प्रौद्योगिकी पर आधारित
प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	30 मई से 1 जून, 2019 तक	चेन्नै
बैंकिंग अनुपालन व्यावसायिकों के लिए भौतिक विधि से प्रशिक्षण	25 मई से 29 मई, 2019 तक	मुम्बई
प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत भौतिक कक्षा से शिक्षण	20 मई से 22 मई, 2019 तक	पीडीसी नई दिल्ली
महा प्रबन्धकों/उप महा प्रबन्धकों/ सहायक महा प्रबन्धकों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम	16 मई से 17 मई, 2019 तक	मुम्बई
एकीकृत खजाना प्रबंधन हेतु कार्यक्रम	25 से 30 मई, 2019 तक	मुम्बई
प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए कार्यक्रम	9 से 11 मई, 2019 तक	मुम्बई
वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रमाणपत्र हेतु परीक्षोपरांत भौतिक विधि से प्रशिक्षण	20 मई से 22 मई, 2019 तक	मुम्बई
”दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016” पर एक - दिवसीय कार्यशाला	13 मई, 2019	लीडरशिप सेंटर, मुम्बई

संस्थान समाचार

आत्म-समगामी ई-शिक्षण (SPeL) पाठ्यक्रम

संस्थान को अपने दो प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों-यथा डिजिटल बैंकिंग और बैंकिंग मेँ नैतिकता के लिए आत्म-समगामी (self-paced) ई-शिक्षण पाठ्यक्रमों की घोषणा करते हुये प्रसन्नता होती है। इस आत्म-समगामी ई-शिक्षण का उद्देश्य बैंकिंग एवं वित्त क्षेत्रों मेँ नियोजित व्यावसायिकों को एक अधिक सहायक प्रशिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है। आत्म-समगामी ई-शिक्षण विधि मेँ अभ्यर्थी को परीक्षा हेतु पंजीकरण कराने, स्वयम अपनी गति से सीखने और अंत मेँ स्वयम अपने स्थान से परीक्षा मेँ शामिल होने की

सुविधा प्राप्त होगी। उक्त दोनों पाठ्यक्रमों के लिए आनलाइन पंजीकरण 9 अप्रैल, 2019 से प्रारम्भ हो गए हैं। अधिक विवरण के लिए कृपया लिंक http://www.iibf.org.in/documents/SPeLnotice.pdf देखें।

मामला अध्ययन प्रतियोगिता संस्थान एक ऐसी मामला अध्ययन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है, जो बैंकरों/व्यावसायिकों को जटिल एवं पेचीदी स्थितियों को अतिरंजित करने, सीखने और समझने के लिए मामले तैयार करने के माध्यम से अपनी जानकारी /ज्ञान एवं अनुभव को बांटने हेतु प्रोत्साहित करने की एक पहलकदमी है। शिक्षाप्रद नोटों से जुड़े ये मामले भारतीय बैंकिंग से संबन्धित विषय-वस्तु पर तैयार किए जाने चाहिए। विषय-वस्तुओं को विशिष्टीकरण के आधार पर योजना I (विशिष्टीकृत क्षेत्र) और योजना II (सामान्य क्षेत्र) के रूप में श्रेणीकृत किया गया है। योजना II के तहत सहभागी को भारतीय बैंकिंग से संबन्धित किसी अन्य क्षेत्र में भी कोई मामला तैयार करने की स्वतन्त्रता प्राप्त होगी। अधिक विवरण के लिए लिंक http://www.iibf.org.in/documents/SPeLnotice.pdf देखें।

स्थापना दिवस समारोह

बैंकिंग उद्योग की अनुकरणीय सेवा के 91 वर्ष पूरे होने का स्मरणोत्सव मनाने के लिए संस्थान ने 25 अप्रैल, 2019 को अपने स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) गुवाहाटी के डिजाइन विभाग के अध्यक्ष डा॰ (प्रा॰) उदय कुमार ने "डिजाइनिंग इंडियन करेंसी सिंबल" पर विशेष व्याख्यान दिया।

8वें उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम (AMP) की शुरूआत

संस्थान बैंकिंग/वित्तीय क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों एवं कार्यपालकों के लिए उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम (AMP) नामक एक प्रबंधन कार्यक्रम का संचालन करता है। सत्रों का संचालन इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फ़ाइनैन्स के कुर्ला, मुंबई स्थित लीडरशिप सेंटर में किया जाता है तथा इनका आयोजन सप्ताहांत में/बैंक अवकाश के दिन किया जाता है। 8वें बैच की शुरूआत जुलाई, 2019 से की जाएगी। अधिक विवरण के लिए कृपया www.iibf.org.in देखें।

कारबार संपर्कियों (BCs) का अनिवार्य प्रमाणन

दिनांक 3 अक्तूबर, 2018 की अपनी अधिसूचना के द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी

कारबार संपर्कियों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स द्वारा समयोचितता के साथ

प्रमाणित किया जाना अनिवार्य कर दिया है। यह कार्य स्तरों में एकरूपता और
कारबार संपर्कियों की एक बैंक से दूसरे बैंक में किसी अडचन के बिना भावी सचलता सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। कारबार संपर्कियों को विषय को बेहतर रीति से
समझना सुगम बनाने के लिए संस्थान द्वारा एक अतिरिक्त शैक्षणिक साधन उपलब्ध कराया जा रहा है। विषय-वस्तु के विशेषज्ञों द्वारा दिये गए वीडियो व्याख्यान रिकार्ड किए जा रहे हैं तथा वे 15 जनवरी, 2019 के बाद संस्थान के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध कराये जाएंगे। ये व्याख्यान दो भाषाओं - अंग्रेज़ी और हिन्दी में उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, दूसरे प्रयास के लिए परीक्षा शुल्क भी संशोधित करके 800 रुपए के स्थान पर 400 रुपए कर दिया
गया है। हालांकि, यह सुविधा ऐसे अभ्यर्थियों द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है जो पहले प्रयास से 120 दिनों के भीतर परीक्षा में सम्मिलित हों। बैंकों द्वारा थोक पंजीकरण के लिए
एक उपयुक्त छूट ढांचा भी तैयार कर लिया गया है।

बैंकों में क्षमता निर्माण संस्थान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिज्ञात परिचालन के चार मुख्य क्षेत्रों, यथा खजाना प्रबंधन, जोखिम प्रबंधन, लेखांकन और ऋण प्रबंधन में पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। ये पाठ्यक्रम आनलाइन परीक्षा के साथ प्रकृति की दृष्टि से मिश्रित हैं जिसके बाद उनमें ऐसे अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिन्होंने आनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है। इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंक संघ को संबोधित तथा प्रति इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस को पृष्ठांकित दिनांक 31 मई, 2017 के अपने पत्र के तहत यह कहा है कि भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ के सहयोग से इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स द्वारा उपलब्ध कराया जाने वाला विदेशी मुद्रा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ऐसे सभी बैंक कर्मचारियों, जो खजाना परिचालन सहित विदेशी मुद्रा परिचालन के क्षेत्र में कार्यरत है या कार्य करने के इच्छुक हैं, के लिए एक अनिवार्य प्रमाणन होगा। कृपया परीक्षा हेतु पंजीकरण और अधिक विवरण के लिए वेबसाइट www.iibf.org.in देखें।

चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू. के. के साथ पारस्परिक मान्यता करार

संस्थान को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू॰ के॰ के साथ पारस्परिक मान्यता करार हस्ताक्षरित होने की घोषणा करते हुये प्रसन्नता होती है। इस करार के अधीन भारत स्थित इंडियन
इंस्टीट्यूट आफ बैंकर्स के प्रमाणित सहयोगी (CAIIB) अपनी अर्हताओं को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट द्वारा मान्यता दिलवाएँगे तथा वे संस्थान के व्यावसायिकता, आचारशास्त्र एवं विनियम माड्यूल का अध्ययन करके और परावर्तक दायित्व को सफलतापूर्वक पूरा करके चार्टर्ड बैंकर बनने में समर्थ
होंगे।

प्रौद्योगिकी पर आधारित कक्षा में समाधान

संस्थान ने प्रौद्योगिकी पर आधारित कक्षा वाली विधि के माध्यम से प्रशिक्षण संचालित करने हेतु एक साफ्टवेयर अभिगृहीत किया है। यह साफ्टवेयर गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी लाये बिना संस्थान को प्रशिक्षार्थियों की काफी बड़ी संख्या तक प्रशिक्षण सामग्री प्रसारित करने में समर्थ बनाएगा। वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रशिक्षण भी आरंभ कर दिया गया है। अधिक विवरण के लिए हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in देखें।

परीक्षा के लिए छद्म जांच सुविधा

संस्थान अपने प्रमुख पाठ्यक्रमों यथा जेएआईआईबी और सीएआईआईबी के अलावा अपने तीन विशिष्टीकृत पाठ्यक्रमों नामत: प्रमाणित खजाना व्यावसायिक, प्रमाणित
ऋण व्यावसायिक तथा वित्तीय सेवाओं में जोखिम के लिए छद्म जक्ष्च की सुविधा प्रदान कर रहा है। अब छद्म जांच में किसी भी बैंक का कर्मचारी शामिल हो सकता है।

वीडियो व्याख्यान अब यूट्यूब पर उपलब्ध

संस्थान द्वारा जेएआईआईबी के तीन अनिवार्य प्रश्नपत्रों और सीएआईआईबी के दो अनिवार्य प्रश्नपत्रों के लिए प्रदान की जाने वाली वीडियो व्याख्यान की सुविधा संस्थान के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी। उसके लिए लिंक है https:/ www.youtube.com/channel/UCjfflktvEh8yLb3vwxosGow/playlists"

मुंबई और कोलकाता स्थित संस्थान के स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ

इसके पूर्व संस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), ग्राहक सेवा और धन-शोधन निवारण/आतंकवाद के वित्तीयन का मुक़ाबला नामक अपने तीन पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक महीने के दूसरे और चौथे शनिवारों को मुंबई एवं कोलकाता स्थित स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ आयोजित करता था। **<u>अब ऊपर वर्णित परीक्षाएँ प्रत्येक महीने के 1ले और 3रे शनिवारों को आयोजित की जाएंगी।</u>** अभ्यर्थीगण अपनी पसंद की परीक्षा की तिथि एवं केंद्र का चयन कर सकते हैं। पंजीकरण पहले आए, पहले पाये के आधार पर होगा। उपर्युक्त पाठ्यक्रमों की परीक्षा का कार्यक्रम हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in.पर उपलब्ध है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के अप्रैल - जून, 2019 और जुलाई - सितंबर, 2019 अंकों के लिए अभिज्ञात विषय-वस्तुयें क्रमश: निम्नानुसार है : बैंकों में नीतिशास्त्र और कारपोरेट अभिशासन तथा बैंकिंग में उभरते प्रौद्योगिकीय परिवर्तन।

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान में इस बात की जांच करने के उद्देश्य से कि अभ्यर्थी अपने –आपको वर्तमान घटनाओं से अवगत रखते हैं या नहीं प्रत्येक परीक्षा में कुछ प्रश्न हाल की घटनाओं/ विनियामक/कों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बारे में पूछे जाने की परंपरा है। हालांकि, घटनाओं/दिशानिर्देशों में प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की तिथि से और वास्तविक परीक्षा तिथि के बीच की अवधि में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इन मुद्दों का प्रभावी रीति से समाधान करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि

(i) संस्थान द्वारा फरवरी, 2019 से जुलाई, 2019 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 31 दिसंबर, 2018 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

(ii) संस्थान द्वारा अगस्त, 2019 से जनवरी, 2020 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 30 जून, 2019 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद उनके ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दें।

समाचार पंजीयक के पास आरएनआई संख्या 69228/1998 के अधीन पंजीकृत

बाजार की ख़बरें

भारित औसत   मांग दरें

6.5
6.4
6.3
6.2
6.1
6
5.9

नवम्बर, 2018, दिसंबर, 2018, जनवरी, 2019, फरवरी, 2019, मार्च, 2018, अप्रैल, 2019

स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूज़लेटर, अप्रैल, 2019

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

95
90
85 अमरीकी डालर

80 **जीबीपी**
75 **यूरो**
70 **येन**
65
60
55
50

नवम्बर, 2018, दिसम्बर, 2018, जनवरी, 2019, फरवरी, 2019, मार्च, 2019, अप्रैल, 2019

स्रोत : फाइनैन्सियल बैंचमार्क बोर्ड आफ इंडिया लिमिटेड (FBIL)

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

16
15
14
13
12
11

10

अक्तूबर, 2018, नवंबर, 2018, दिसंबर, 2018, जनवरी, 2019, फरवरी, 2019, मार्च, 2019

स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, अप्रैल, 2019

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

40000.00

39000.00

38000.00

37000.00

36000.00

36000.00

35000.00

34000.00

33000.00

32000.00

31000.00

30000.00

नवम्बर, 2018, दिसम्बर, 2018, जनवरी, 2019, फरवरी, 2019, मार्च, 2019, अप्रैल, 2019

स्रोत : बंबई शेयर बाजार (B S E)

समग्र जमा वृद्धि %

15

14

13

12

11

10

9

8

7

6

5

अक्तूबर, 2018, नवम्बर, 2018, दिसंबर, 2018, जनवरी, 2019, फरवरी, 2019, मार्च, 2019

स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, अप्रैल, 2019

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन

इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई – 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई – 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.

आईआईबीएफ विजन मई, 2019